सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 15 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 15 फरवरी, 2022

मूल्य ₹ 3/-

बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, आगे सोचो। विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है।
-धीरूभाई अंबानी

गृह राज्य मंत्री के बेटे की जमानत... 8 | यूपी चुनाव का दूसरा चरण: दिग्गजों... 3 | भाजपा सरकार में माफिया जेल... 7

चारा घोटाले के एक और केस में लालू यादव दोषी

» 139 करोड़ से अधिक की हुई थी अवैध निकासी सजा का ऐलान 21 को

» 36 अन्य दोषियों को तीन-तीन साल की सजा सीबीआई कोर्ट ने सुनाया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। चारा घोटाला के डोरंडा कोषागार से 139.35 करोड़ की अवैध निकासी मामले में ट्रायल का सामना कर रहे बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव दोषी करार दिए गए हैं। सजा का ऐलान 21 फरवरी को होगा। विशेष न्यायाधीश एसके शशि ने इस मामले में 24 अभियुक्तों बरी कर दिया है जबकि 36 अन्य को दोषी ठहराया है। अन्य दोषियों को तीन-तीन साल की सजा सुनायी है।

चार मामलों में पहले ही सुनायी जा चुकी है सजा

इससे पहले लालू प्रसाद को चारा घोटाले से जुड़े चार मामलों में करीब 14 साल की सजा सुनाई गई थी। ये मामले दुमका, देवघर और चाईबासा कोषागार से जुड़े थे। सजा के साथ उनको 60 लाख का जुर्माना भी भरना पड़ा था। फिलहाल लालू यादव जमानत पर बाहर हैं।

चारा घोटाले का यह मामला डोरंडा कोषागार से जुड़ा है। इसमें 139.35 करोड़ की अवैध निकासी की बात सामने आई थी। चारा घोटाले के सबसे बड़े आरसी 47 ए/96 के ये मामले दरअसल 1990 से 1995 के बीच के हैं। इस पर सीबीआई की स्पेशल कोर्ट में सुनवाई चल रही थी। पूर्व में चारा घोटाले के अलग-अलग मामले में फिलहाल लालू यादव को हाईकोर्ट से जमानत मिली हुई है। डोरंडा कोषागार से जुड़े घोटाले में शुरुआत में 170 आरोपी थे। इसमें से 55 आरोपियों की मौत हो चुकी है। दीपेश चांडक और आरके दास समेत सात आरोपियों को सीबीआई ने गवाह बनाया। वहीं सुशील झा और पीके जायसवाल ने कोर्ट के फैसले से पहले ही खुद को दोषी मान लिया था। वहीं मामले में छह नामजद आरोपी फरार हैं। मामले में पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद, पूर्व सांसद जगदीश शर्मा, आरके राणा, पीएसी के तत्कालीन अध्यक्ष ध्रुव भगत, तत्कालीन पशुपालन सचिव बेक जूलियस, पशुपालन विभाग के सहायक निदेशक केएम प्रसाद सहित 99 लोग शामिल थे। वहीं लोअर कोर्ट का ट्रैक रिकॉर्ड देखें तो चारा घोटाले से जुड़े पिछले मामलों में लालू यादव को तीन-तीन साल से ज्यादा की ही सजा सुनाई गई है।

भाजपा सरकार ने दिया अपराधियों को संरक्षण : अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» कानून व्यवस्था हो चुकी ध्वस्त, महिलाएं सबसे अधिक असुरक्षित

» किसानों की आय नहीं हुई दोगुनी, महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी

रायबरेली। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने रायबरेली में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पहले चरण से ही सपा को समर्थन मिलने लगा है। इस बार भाजपा का खाता नहीं खुलेगा। गर्मी निकालने वाले भाजपा नेताओं के समर्थक ठंडे पड़ गए। दूसरे चरण का मतदान देखकर सुन्न पड़ गए हैं और जब रायबरेली के लोग वोट डालेंगे तो शून्य हो जाएंगे। गर्मी निकालने वाले की भांप निकल गयी है।

उन्होंने कहा कि जिनकी सरकार में देश में सबसे ज्यादा हिरासत में मौत हुई हैं वे कानून व्यवस्था की बात कर रहे हैं। इनके लोगों ने वसूली के लिए गोरखपुर में व्यापारी की जान ले ली। इनकी सरकार में एक आईपीएस फरार है। ये पच्चीस हजार के इनामी माफिया के लिए पिच बनवाकर क्रिकेट खिलवा रहे हैं। आज सबसे ज्यादा महिलाएं असुरक्षित है। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। जनता को सताया जा रहा है। कितने लोगों पर झूठे मुकदमें लगाये। ये पहले मुख्यमंत्री हैं जिन पर इतनी धाराएं थीं। सबसे ज्यादा अपराधियों को भाजपा सरकार ने संरक्षण दिया है। सपा तो सुधार ला रही थी। सौ नंबर वाली व्यवस्था सपा ने लागू की। किसी भी घटना पर पुलिस तुरंत पहुंचती थी। सौ नंबर को 112 कर पुलिस का कबाड़ा कर दिया गया। डबल इंजन सरकार में केवल भ्रष्टाचार डबल हुआ है। यहां के जनसैलाब को देखकर लगता है कि अब केवल साइकिल की रफ्तार बढ़ेगी। सपा सरकार बनने पर तीन सौ यूनिट बिजली फ्री होगी किसी को बिल नहीं देना होगा। किसानों को सिंचाई फ्री दी जाएगी। सरकारी कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल करेंगे। बाबा मुख्यमंत्री ने लाखों स्मार्ट फोन और लैपटॉप बांटे लेकिन रायबरेली के लोगों को कुछ नहीं मिला। बाबाजी खुद लैपटॉप नहीं चला पाते हैं। गौशाला के नाम पर आया पैसा कहां गया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने दावा किया था कि किसानों की आय दोगुनी कर देंगे लेकिन किसी किसान की आय दोगुनी नहीं हुई। खाद नहीं मिली। डीजल-पेट्रोल की कीमत बढ़ गयी। सपा सरकार आई तो हर महीने एक लीटर पेट्रोल फ्री देंगे। नौजवानों को रोजगार देने का काम करेंगे।

रायबरेली में सपा प्रमुख ने भाजपा पर साधा निशाना

मेरी हत्या कराना चाहते हैं योगी: राजभर

» खुद पर हुए हमले के बाद सुभासपा प्रमुख ने लगाया गंभीर आरोप

» अपने हक के लिए आगे भी लड़ते रहेंगे हम, चुनाव आयोग से मांगी सुरक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वाराणसी में नामांकन के दौरान हुए विरोध के बाद सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने सीएम योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि योगी मेरी हत्या कराना चाहते हैं इसलिए उन्होंने नामांकन के दौरान काले कोट वाले गुंडे भेजे।

राजभर ने कहा कि भाजपा हमारी पिछड़ों की लड़ाई से डर गई है और हमें नुकसान पहुंचाना चाहती है। हम अपने हक के लिए आगे लड़ते रहेंगे। मेरी हत्या भी हो जाए तब भी यह लड़ाई जारी रहेगी। इस घटना पर चुनाव आयोग को संज्ञान लेना चाहिए। ओमप्रकाश राजभर ने नामांकन के दौरान हुए विरोध को हमला करार देते कहा कि ये हमला डीएम और प्रशासन की मिलीभगत से हुआ है। ओपी राजभर ने उनके और उनके बेटे अरविंद राजभर की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। राजभर ने वाराणसी के प्रशासन पर सीएम योगी के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नामांकन वाली जगह पर जब चुनाव आयोग ने तीन लोगों के आने की इजाजत दी थी तो वहां पर सैकड़ों गुंडे कैसे इकट्ठा हो गए। उन्होंने भाजपा के अब्बास अंसारी पर सवाल उठाने पर भी निशाना साधा। राजभर ने कहा कि अब्बास को मैंने प्रत्याशी बनाया है। सवाल उठाने वालों को ब्रजेश सिंह और सुरेश राणा पर भी जवाब देना चाहिए। ओम प्रकाश राजभर अपने जीते जी योगी को सत्ता में नहीं पहुंचने देंगे। शिक्षक भर्ती में आरक्षण घोटाला हुआ उस पर मैंने बोला वह योगी को अच्छा नहीं लगा। कमिश्नर और डीएम के रहते निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकता, इनको हटाया जाए।

बेटे के नामांकन के दौरान हुआ था विरोध

ओमप्रकाश राजभर के बेटे अरविंद राजभर वाराणसी की शिवपुर विधान सभा सीट से सुभासपा के प्रत्याशी हैं। ओमप्रकाश राजभर जब अरविंद को लेकर नामांकन कराने पहुंचे तो भाजपा समर्थकों और अधिवक्ताओं ने उनका विरोध किया था।

अगले चरणों में भी भाजपा का सफाया तय : राजेंद्र चौधरी

» समाजवादी पार्टी का दावा, दूसरे चरण में भी मिला मतदाताओं का प्रबल समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने दावा किया है कि प्रथम चरण की तरह दूसरे चरण के चुनाव में भी सपा गठबंधन को मतदाताओं का प्रबल समर्थन मिला है। यह समर्थन बता रहा है कि अगले चरणों में भी भाजपा का सफाया तय है। मतदाता अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए उत्साहित है। राजेंद्र चौधरी ने कहा कि प्रथम चरण की तरह दूसरे चरण में भी भाजपा व उसके कार्यकर्ता बन गए प्रशासनिक अधिकारियों ने सत्ता दल के खिलाफ बहती हवा को देखकर मतदान में गड़बड़ी करने की कोशिश की है।

धर्म-विशेष के मतदाताओं को खासतौर पर परेशान किया जा रहा है। उनको वोट नहीं डालने दिया जा रहा है। तमाम लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे गए। कई पोलिंग स्टेशनों से सपा के पोलिंग एजेंट बाहर कर दिए गए। कई जगह मतदान अधिकारियों का रवैया भी आपत्ति जनक रहा। दूसरे चरण के चुनाव में भी मतदान केन्द्रों से ईवीएम गड़बड़ी की शिकायतें मिली हैं। इससे मतदान देर तक बाधित रहा। मुरादाबाद की

ठाकुरद्वारा विधान सभा क्षेत्र में आने वाले बिलारी के थानाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह को शिकायत करने के बावजूद हटाया नहीं गया, वे भाजपा कार्यकर्ता बनकर काम कर रहे हैं। बरेली में आंवला की ग्राम पंचायत धनौरा गौरी में दरोगा सपा को प्रताड़ित कर रहे हैं। संभल की असमौली विधान सभा से सपा प्रत्याशी व विधायक पिंकी यादव के पति और उनके समर्थकों पर फर्जी मुकदमे लगा दिए गए हैं। चंदौसी में कई ग्राम प्रधानों को रेड कार्ड के नाम पर पुलिस उठा ले गई है।

अखिलेश यादव व जया बच्चन समेत कई स्टार प्रचारकों के प्रयागराज आगमन की आहट

प्रयागराज। यूपी विधानसभा चुनाव 2022 का बिगुल जब से बजा है, तब से समाजवादी पार्टी का कोई बड़ा नेता प्रयागराज नहीं आया है। यूपी विधानसभा के पांचवें चरण में 27 फरवरी को यहां मतदान है। ऐसे में सपा के स्टार प्रचारकों की यहां आने की आहट भी मिलने लगी है। हालांकि अभी तिथि तय नहीं है लेकिन संभावना जताई जा रही है कि चौथे चरण का प्रचार जैसे ही थमेगा, यहां स्टार प्रचारकों का आवागमन शुरू हो जाएगा। स्थानीय सपा नेताओं ने इसके लिए अभी से तैयारी भी शुरू कर दिया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव 22 या 23 फरवरी को प्रयागराज आ सकते हैं। 24 या 25 फरवरी को सपा सांसद जया बच्चन और पूर्व सांसद डिंपल यादव द्वारा संयुक्त रूप से यहां रोड शो करने की संभावना जताई जा रही है। इसके अलावा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य भी यहां जनसभा कर सकते हैं।

300 से ज्यादा सीटें जीतेंगे, बुंदेलखंड को और संवारेंगे : केशव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य महोबा यानी कुलपहाड़ की धरती से विरोधियों पर जमकर बरसे। वे बोले कि राहुल गांधी आलू से सोना और अखिलेश इत्र से नोटों की गड्डियां बनाते हैं। हमने राम जन्मभूमि में मंदिर बनाकर 500 साल की लड़ाई खत्म की। उन्होंने कहा कि औरंगजेब ने बाबा विश्वनाथ का मंदिर तोड़ा था, हमने उसे विशाल धाम बना दिया। पूर्व की सरकारों में बिजली के तारों में कपड़े सुखाए जाते थे।

भाजपा और अन्य दलों की सरकारों में फर्क साफ है। पहले बिजली आती नहीं थी, अब जाती नहीं है। श्रीकिशोर गोस्वामी इंटर कालेज परिसर में सभा के दौरान उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लक्ष्मी जी कमल के फूल पर बैठकर आती हैं। साइकिल, हाथी या पंजे पर नहीं। विरोधियों की दुकानों पर अलीगढ़ का ताला लगा दिया है। इस बार 300 से ज्यादा सीटें जीतेंगे, बुंदेलखंड को और संवारेंगे। आप लोग विरोधियों की जमानत जब्त कराएंगे तो 10 मार्च के बाद फिर आऊंगा। महोबा में केशव प्रसाद मौर्य को प्रत्याशी मानिए, ब्रजभूषण या राकेश गोस्वामी को नहीं। इसलिए मेरे नाम पर वोट दीजिए। हमारी सरकार गरीबों के कल्याण के लिए काम कर रही है। 15 साल बुआ-भतीजे से हमारी पांच साल की भाजपा सरकार बेहतर रही। बसपा समाप्त हो चुकी है। कांग्रेस में फोटो खिंचाने वाले भी नहीं बचे हैं। केशव ने कहा योगी मोदी गरीबी में पले बढ़े हैं। इसलिए उन्होंने हर माह दो बार 15 करोड़ लोगों को राशन दिया। सौभाग्य योजना में मुफ्त बिजली दी गई। अभी यह 2017 से 22 तक ट्रेलर चला। 2022 से 27 तक पूरी फिल्म चलेगी। सरकार बनी तो नलकूप का बिल नहीं देना होगा। वृद्धा, दिव्यांग, विधवा को 1500 मिलेंगे। पहले 500 मिलती थी। नई पेंशन के लिए गांवों में कैंप लगेंगे। 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को रोडवेज की बसों में किराया नहीं लगेगा। सामूहिक विवाह में 50 की जगह एक लाख और बिटिया के जन्म पर 15 की जगह 25 हजार मिलेंगे।

नतीजे आते ही विपक्ष का सूपड़ा साफः दिनेश शर्मा

उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने फिरोजाबाद के टूंडला और शिकोहाबाद विधानसभा क्षेत्र में जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 10 मार्च को चुनाव परिणाम आते ही विपक्ष साफ पार्टी बन जाएगी। उन्होंने कहा कि फिरोजाबाद ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश से सपा का सफाया तय हो चुका है। इस जिले में इस बार भाजपा को पांचों सीटें मिलने जा रही हैं। उपमुख्यमंत्री ने टूंडला में कहा कि भाजपा सरकार ने जितने आवास एक-एक जिले में दे दिए, उतने आवास पूर्व की सरकार पूरे प्रदेश में नहीं दे पाई। भाजपा सरकार ने ही किसान सम्मान निधि, मुफ्त विद्युत कनेक्शन, पेंशन, मुफ्त गैस कनेक्शन दिए। किसानों की सुविधा के लिए नलकूपों के बिल को आधा कर दिया गया है।

उत्तराखंड में 632 प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश की पांचवीं विधानसभा के लिए हुए चुनाव के बाद 632 प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सौजन्या के मुताबिक प्रदेश के जिन केन्द्रों पर शाम पांच बजे तक मतदाता पहुंचे, वहां मतदान शाम पांच बजे के बाद भी जारी रहा। मतदान शांतिपूर्वक हुआ है। विभिन्न मतदान स्थलों से पोलिंग पार्टियां मतदान के बाद वापस लौट आई हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि ईवीएम को जिला मुख्यालयों में बनाए गए स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा में रखा गया है। सभी 13 स्ट्रांग रूम में सीआरपीएफ, स्टेट आर्म्ड पुलिस और राज्य पुलिस की त्रिस्तरीय सुरक्षा है।इसके अलावा पूरे समय ईवीएम पर सीसीटीवी की नजर रहेगी। स्टांग रूम की नियमित जांच होगी। इसकी वीडियोग्राफी भी होगी, जिसका बाहर डिस्पले किया जाएगा।

योगी के खिलाफ खड़े नौ लोगों के पर्चे खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। विधानसभा चुनाव 2022 के छठे चरण के तहत गोरखपुर के सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्याशियों द्वारा दाखिल किए गए नामांकन पत्रों की जांच पूरी की जा चुकी है। जांच के दौरान कुल 32 पर्चे निरस्त हुए हैं। 116 प्रत्याशियों के पर्चे वैध पाए गए हैं। सुरक्षित सीटों खजनी एवं बांसगांव में एक भी पर्चा निरस्त नहीं हुआ है। 16 फरवरी को नाम वापस लिए जाएंगे। उसी दिन शाम को यह तय हो जाएगा कि किस विधानसभा क्षेत्र से कितने प्रत्याशी मैदान में हैं। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच नामांकन पत्रों की जांच शुरू हो गई। प्रत्याशियों को भी इस दौरान बुलाया गया था।

जांच के दौरान गोरखपुर शहर विधानसभा सीट पर सर्वाधिक 10 प्रत्याशियों के पर्चे अवैध पाए गए। पिपराइच, गोरखपुर ग्रामीण व चौरी चौरा में पांच-पांच पर्चे निरस्त किए गए। कैंपियरगंज में दो, सहजनवा में चार व चिल्लूपार में एक प्रत्याशी का पर्चा खारिज किया गया। नामांकन पत्रों की जांच के दौरान गोरखपुर शहर से कांग्रेस पार्टी की प्रत्याशी चेतना पांडेय का पर्चा खारिज होने की चर्चा शुरू हो गई। इससे नाराज चेतना पांडेय ने कांग्रेस के महानगर पदाधिकारियों के साथ हंगामा करते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में ही धरना शुरू कर दिया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार सिंह एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विजय किरन आनंद के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ। प्रशासन की ओर से उनका पर्चा स्वीकार किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कांग्रेस प्रत्याशी का पर्चा निरस्त करने की घोषणा नहीं हुई थी।

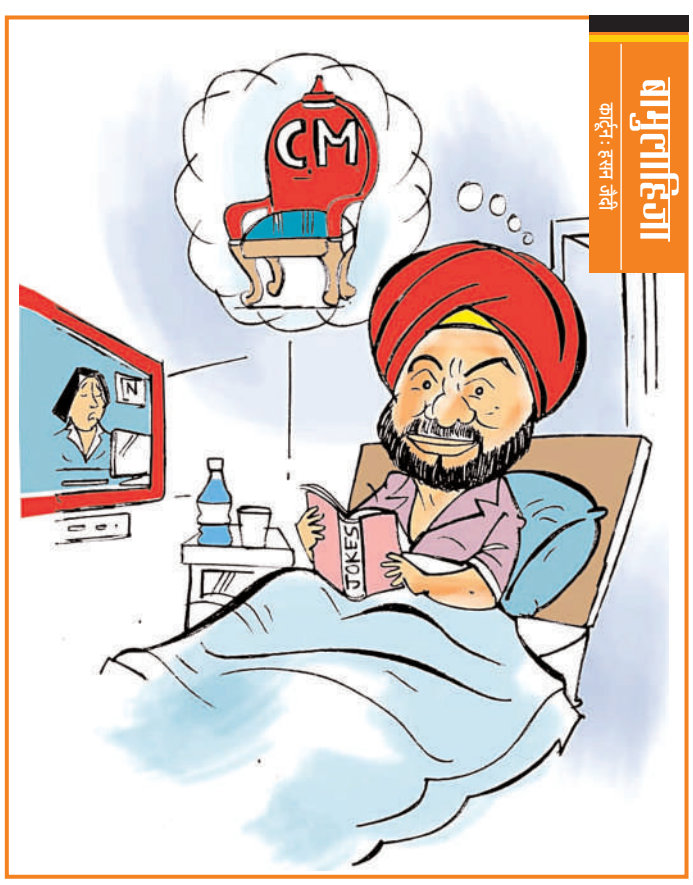

कार्टून: हसन जैदी

भाजपा गठबंधन को बड़ा झटका

» अपना दल एस के विधायक हरिराम बसपा में शामिल, बसपा के टिकट पर लड़ेंगे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव के दौरान यूपी में गर्माती सियासत के बीच सत्तारुढ़ भाजपा गठबंधन को बड़ा झटका लगा है। सोनभद्र के दुद्धी से अपना दल एस के विधायक हरिराम चेरो बसपा में शामिल हो गए हैं। बसपा जिलाध्यक्ष कमलेश गोंड व मुख्य सेक्टर प्रभारी मिर्जापुर मंडल पन्नालाल ने नीला गमछा ओढ़ाकर हरिराम चेरो को बसपा की सदस्यता दिलायी। माना जा रहा है कि हरिराम चेरो अब दुद्धी से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे। चुनाव से पहले अपना दल एस के विधायक के पार्टी छोड़ने के बाद सियासी गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। विधानसभा क्षेत्रों की संख्या के हिसाब से दुद्धी (403) प्रदेश का अंतिम क्षेत्र है।

अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित इस सीट पर 2017 में अपना दल प्रत्याशी हरिराम चेरो ने सात बार के विधायक विजय सिंह गोंड़ को मात्र 1,085 मतों से हराकर जीत हासिल की थी। अगर इस सीट के इतिहास पर गौर करें तो यहां पर आज तक भाजपा का खाता नहीं खुल सका है। पिछली बार जीते हरिराम चेरो भाजपा के साथ गठबंधन में शामिल अपना दल एस के प्रत्याशी थे। इस बार सपा ने विजय सिंह गोंड़ को प्रत्याशी बनाया है जबकि कांग्रेस ने पूर्व सांसद स्व. रामप्यारे पनिका की पत्नी बसंती पनिका को चुनाव मैदान में उतारा है। भाजपा और बसपा ने अब तक प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है।

मुस्लिम मतदाताओं का 40 सीटों पर असर

उत्तर प्रदेश के पहले चरण में किसान आंदोलन की चुनौती झेलने के बाद भाजपा के सामने दूसरे चरण में नई चुनौती सामने आई है। आंकड़े बताते हैं कि दूसरे चरण में जिन नौ जिलों में मतदान हुआ, वहां की 40 सीटों पर 30 से 55 फीसदी मुस्लिम वोटर्स हैं। मतलब इन सीटों पर मुस्लिम वोटर्स ने भाजपा की मुश्किलें बढ़ाई हैं। दूसरे चरण में जिन 55 सीटों पर मतदान हुआ, उनमें से ज्यादातर पर 2017 में भाजपा का कब्जा था। भाजपा ने 2017 में 38 सीटों पर जीत दर्ज की थी। 15 सीटों पर सपा और दो पर कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत हुई थी।

यूपी चुनाव का दूसरा चरण : दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर, ईवीएम में बंद हुई किस्मत

- मुस्लिमों के साथ सैनी, दलित और जाट वोट यहां तय करते हैं हार-जीत
- पिछले चुनाव में भाजपा ने जीती थी 38 सीटें, सपा के खाते में आयी थी 15 सीटें
- रालोद से गठबंधन के साथ चुनाव मैदान में है सपा, 586 हैं उम्मीदवार
- आजम से लेकर सुरेश खन्ना तक की प्रतिष्ठा लगी है दांव पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हो रहे विधान सभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए राज्य के नौ जिलों की 55 सीटों पर मतदान हो चुका है। इसमें कई दिग्गजों की किस्मत जनता ने ईवीएम में कैद कर दी है। दस मार्च को पता चलेगा कि जनता ने किसे पास और किसे फेल किया है। इस चरण के चुनाव में मुस्लिमों के साथ सैनी, दलित और जाट वोटर हार-जीत का फैसला तय करते हैं।

दूसरे चरण में उतरे प्रमुख वीआईपी चेहरों में उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री रहे धर्म सिंह सैनी शामिल हैं, जो भाजपा छोड़कर सपा में चले गए थे। आजम खान को उनके गढ़ रामपुर सीट से मैदान में उतारा गया है जबकि सैनी नकुड़ विधान सभा क्षेत्र से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। दूसरे चरण के लिए जिन नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है उनमें आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम को स्वार सीट से मैदान में उतारा गया है। धर्मपाल सैनी (सपा) नकुड़, चंदौसी (भाजपा) गुलाबो देवी, अब्दुल्लाह आजम खान (सपा) स्वार, आजम खान (सपा) रामपुर, हैदर अली खां (अपना दल) स्वार, सुरेश खन्ना (भाजपा) शाहजहांपुर, धर्मपाल सिंह (भाजपा) आंवला और आरके शर्मा (सपा) बिल्सी ने नाम शामिल है। इसके अलावा आंवला सीट पर भाजपा सरकार में मंत्री रहे धर्मपाल सिंह सैनी को सपा के राधाकृष्ण शर्मा, बसपा के लक्ष्मण प्रसाद और कांग्रेस के ओमवीर यादव से कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। हालांकि वह यहां से 1996, 2002, 2012 और 2017 में विधायक बन चुके हैं। यही नहीं, वह योगी सरकार में सिंचाई मंत्री थे, लेकिन बाद में उन्होंने त्यागपत्र दे दिया क्योंकि उनको संगठन में लाया गया था। वहीं यूपी चुनाव के दूसरे चरण में मुस्लिमों के साथ सैनी, दलित और जाट वोट हार-जीत तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में 7 चरणों में चुनाव होना है। दूसरे चरण में होने वाले 55 सीटों में से भाजपा ने 2017 में 38 सीटें जीती थीं जबकि सपा को 15 और कांग्रेस को दो सीटें मिली थीं। सपा और कांग्रेस ने पिछला विधान सभा चुनाव गठबंधन में लड़ा था। सपा की जीती हुई 15 सीटों में 10 सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवार विजयी हुए थे। इस फेज में 586 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं।

यहां हुआ मतदान

दूसरे चरण में प्रदेश के नौ जिलों की 55 सीटों पर मतदान हुआ। ठंड तथा कोहरे के बाद भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दो जिलों के साथ रुहेलखंड के सात जिलों में मतदाताओं ने अपने अधिकार का प्रयोग किया। दूसरे चरण में सहारनपुर, बिजनौर, मुरादाबाद, संभल, अमरोहा, रामपुर, बदायूं, बरेली और शाहजहांपुर जिलों में मतदान हुआ। 2.02 करोड़ मतदाताओं ने 586 प्रत्याशियों की तकदीर का फैसला कर दिया है।

कोरोना संक्रमण घटा अब बढ़ेगा चुनाव प्रचार, राजनीतिक दलों ने कसी कमर

- पांच चरणों का बाकी है चुनाव, सियासी दलों के स्टार प्रचारक झोंकेंगे पूरी ताकत
- पाबंदियों में ढील के बाद रैलियों और सभाओं के आयोजन की तैयार की रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव के दौरान कोरोना संक्रमण कम होने से राजनीतिक दलों को सबसे अधिक फील गुड हो रहा है। कोरोना की तीसरी लहर थमती देखकर पाबंदियां कम हो रही हैं। निर्वाचन आयोग ने भी रैलियों और सभाओं के आयोजन के लिए तय शर्तों को खत्म कर दिया है। अब विधान सभा चुनाव के प्रचार में जुटे दल के नेताओं को भी पंख लगेंगे। जो प्रचार अब तक फेसबुक, वाट्सएप व ट्विटर पर चल रहे थे, उसे गलियों और मोहल्लों में भी बढ़ाया जाएगा। राजनीतिक दल अब बड़े नेताओं की सभा का भी आयोजन करने की तैयारी में हैं।

बसपा के प्रयागराज जिलाध्यक्ष बाबूलाल भंवरा कहते हैं कि अब तक निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश के अनुसार छोटी-छोटी टोली बनाकर जनसंपर्क कर रहे थे। पाबंदी हटने के बाद अधिक संख्या में कार्यकर्ता और प्रत्याशी निकलने लगे हैं। नुक्कड़ सभाओं का भी दौर जल्द शुरू करेंगे। इसकी रूपरेखा बनाई जा रही है। इसमें स्थानीय बड़े नेताओं का संबोधन होगा। 21 फरवरी को बसपा सुप्रीमो मायावती और महासचिव सतीश चंद्र मिश्र की जनसभा 24 फरवरी को प्रयागराज में होनी है। उसकी तैयारी चल रही है। वहीं भाजपा के जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती ने कहा कि अब प्रत्याशियों के साथ अधिक संख्या में कार्यकर्ता निकलेंगे। प्रमुख बाजारों में छोटी-छोटी सभाओं का भी आयोजन किया जाएगा। यमुनापार में डा. महेंद्र नाथ पांडेय, अनुप्रिया पटेल, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की सभा प्रस्तावित है। जगह-जगह नुक्कड़ नाटक कर लोगों को सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

वहीं कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सुरेश यादव का कहना है कि प्रचार अभियान को तेज किया जाएगा। अधिक संख्या में कार्यकर्ता अब जुलूस के रूप में निकलेंगे। अगले सप्ताह पार्टी की महासचिव प्रियंका वाड्रा की सभा को सफल बनाने के लिए भी जनसंपर्क किया जा रहा है। बूथ स्तर पर भी सभा की जाएगी। इसके लिए सभी पदाधिकारियों के साथ बैठक हो चुकी है। प्रत्याशी भी जनसंपर्क के साथ नुक्कड़ सभाएं करेंगे। निर्वाचन आयोग ने भले सभी बंधन हटा लिए हैं लेकिन हम सब कोरोना को लेकर अब भी सतर्क हैं। कोविड प्रोटोकाल का पालन किया जाएगा। सपा भी विभिन्न जिलों में जनसंपर्क तेज करने के लिए अपने स्टार प्रचारकों को सियासी मैदान में उतारेगी।

जनसंपर्क तेज होगा

मतदान जारी हैं। अन्य चरणों के लिए अब जनसंपर्क तेज होगा। प्रत्याशियों के साथ अधिक संख्या में कार्यकर्ता निकलेंगे। सभी मोहल्लों में सभा भी की जाएगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आक्रामक चीन पर अंकुश की कूटनीति

सवाल यह है कि क्या क्वाड देशों के समूह में शामिल भारत, चीन की आक्रामता पर अंकुश लगा सकेगा? क्या हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की महत्वाकांक्षाओं और विस्तारवादी नीति को रोका जा सकेगा? क्या सीमा पर जारी विवाद को हल करने के लिए भारत चीन पर दबाव बनाने में सफल हो सकेगा? क्या यूक्रेन मामले में रूस-चीन की गलबहियां भारत के लिए भविष्य में खतरा बन सकती हैं?

आस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में क्वाड देशों की बैठक में चीन की आक्रामक नीति पर चर्चा हुई। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साफ तौर पर कहा कि चीन लिखित समझौतों को भी नहीं मान रहा है। यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए चिंता का विषय है और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जारी तनाव और विवाद के लिए चीन ही जिम्मेदार है। सवाल यह है कि क्या क्वाड देशों के समूह में शामिल भारत, चीन की आक्रामता पर अंकुश लगा सकेगा? क्या हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की महत्वाकांक्षाओं और विस्तारवादी नीति को रोका जा सकेगा? क्या सीमा पर जारी विवाद को हल करने के लिए भारत चीन पर दबाव बनाने में सफल हो सकेगा? क्या यूक्रेन मामले में रूस-चीन की गलबहियां भारत के लिए भविष्य में खतरा बन सकती हैं? क्या अमेरिका, चीन को घेरने के लिए क्वाड देशों का इस्तेमाल कर रहा है? क्वाड देशों के संगठन से चीन डर क्यों रहा है?

पिछले दो सालों से चीन और भारत के बीच तनाव चरम पर है। सीमा पर दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने हैं और कई दौर की बैठकों के बावजूद हालत सामान्य नहीं हो सके हैं। लिहाजा भारत ने चीन की विस्तारवादी नीति पर अंकुश लगाने के लिए कूटनीति का सहारा लेना शुरू कर दिया है। वह अमेरिका, जापान व आस्ट्रेलिया के क्वाड समूह में शामिल हो गया है। क्वाड देशों का यह समूह चीन की आक्रामता को लेकर चिंतित है। सबसे अधिक चिंता हिंद-प्रशांत क्षेत्र और भारत सीमा विवाद को लेकर है। क्वाड देश इस बात को मानते हैं कि चीन आर्थिक, सैन्य, कूटनीति और तकनीकी शक्ति के बूत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में वर्चस्व कायम करने का प्रयास कर रहा है। यह दुनिया के साझा हितों के लिए खतरनाक है। लिहाजा अमेरिकी सरकार भी खुलकर भारत का साथ दे रही है। अमेरिकी रिपोर्ट में कहा गया कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत के सहयोग से अमेरिका को मजबूती मिलेगी। वहीं यूक्रेन के खिलाफ चीन के रूस को समर्थन देने से भी अमेरिका नाराज है और वह एशिया में भारत के जरिए चीन को घेरने की तैयारी कर रहा है। अमेरिका ने मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र को जरूरी बताया है। दूसरी ओर चीन आस्ट्रेलिया पर आर्थिक दबाव बना है। लिहाजा क्वाड देशों ने चीन के खिलाफ कूटनीति मोर्चेबंदी शुरू कर दी है। भले ही क्वाड देश यह कह रहे हों कि वह किसी देश के खिलाफ नहीं है लेकिन भारत के इस समूह का सदस्य होने के कारण चीन की चिंता बढ़ गयी है और भारत भी इसके जरिए चीन की विस्तारवादी नीति पर अंकुश लगाने में जुटा है। हालांकि यूक्रेन मामले में भारत की नीति तटस्थ है। बावजूद इसके क्वाड समूह के जरिए भारत चीन पर अंकुश रखने में कामयाब हो सकता है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कैसे सबल हो भारत का लोकतंत्र

वेदप्रताप वैदिक

दुनिया के किन-किन देशों में कैसा-कैसा लोकतंत्र है, इसका सर्वेक्षण हर साल ब्लूमबर्ग नामक संस्था करती है। इस साल का उसका आकलन है कि दुनिया के 167 देशों में से सिर्फ 21 देशों को आप लोकतांत्रिक कह सकते हैं। 56 देश खुद को लोकतांत्रिक बताते हैं लेकिन वे लंगड़ाते हुए लोकतंत्र हैं। यानी दुनिया के ज्यादातर देश या तो तानाशाही में जी रहे हैं या फौजशाही या पार्टीशाही में या परिवारशाही या राजशाही में। उन राष्ट्रों में आम जनता के मूल अधिकारों की परवाह करनेवाला कोई नहीं है। न सरकार, न अदालत और न ही संसद। यह संतोष का विषय है कि भारत में नागरिकों के अधिकारों का जब भी उल्लंघन होता है तो सरकारें, संसद और अदालतें उनका संज्ञान लिये बिना नहीं रहतीं। भारत को गर्व है कि आज तक उसमें फौजी तख्ता-पलट की कोई कोशिश तक नहीं हुई जबकि हमारे पड़ोसी देशों में कई बार तख्ता-पलट हो चुके हैं। इन देशों के संविधान भी कई बार पूर्णरुपेण बदल चुके हैं लेकिन भारत का संविधान ज्यों का त्यों है।

भारत के केंद्र और राज्यों में अक्सर सरकारें बदलती रहती हैं। लेकिन ऐसा बुलेट से नहीं बैलेट से होता है। इसके बावजूद दुनिया के 167 राष्ट्रों की सूची में भारत का स्थान 46 वां क्यों है? वह पहला क्यों नहीं है? जो दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, वह सबसे अच्छा भी क्यों नहीं है? जिन दस देशों के नाम इस सूची में सबसे ऊपर हैं, वे भारत के औसतन प्रांतों से भी छोटे हैं- जैसे नार्वे, न्यूजीलैंड, फिनलैंड, स्वीडन, आयरलैंड, ताइवान आदि। भारत गर्व कर सकता है कि चीन, जो कि जनसंख्या में उससे भी बड़ा है, वह घटिया लोकतंत्रों में 5 वें स्थान पर है। उसके पहले चार सीढ़ियों नीचे बैठे हैं- अफगानिस्तान, म्यांमार, उत्तर कोरिया और लाओस। अपने मित्र चीन से दो सीढ़ी ऊपर बैठा है, पाकिस्तान।

इन राष्ट्रों में या तो तानाशाही का डंका पिट रहा है या फौज का। किसी देश में लोकतंत्र है या नहीं है और कम है या ज्यादा है, यह नापने का जो पैमाना है, उसके पांच मानदंड हैं। एक, चुनाव प्रक्रिया, दो सरकारी

> 56 देश खुद को लोकतांत्रिक बताते हैं लेकिन वे लंगड़ाते हुए लोकतंत्र हैं। यानी दुनिया के ज्यादातर देश या तो तानाशाही में जी रहे हैं या फौजशाही में या पार्टीशाही में या परिवारशाही या राजशाही में। उन राष्ट्रों में आम जनता के मूल अधिकारों की परवाह करनेवाला कोई नहीं है। न सरकार, न अदालत और न ही संसद। यह संतोष का विषय है कि भारत में नागरिकों के अधिकारों का जब भी उल्लंघन होता है तो सरकारें, संसद और अदालतें उनका संज्ञान लिये बिना नहीं रहतीं।

काम-काज, तीन राजनीतिक भागीदारी, चार राजनीतिक तथा सांस्कृतिक स्वतंत्रता और पांच, नागरिक अधिकार। इन सब आधारों पर जांचने पर पता चला है कि अमेरिका जैसा समृद्ध राष्ट्र 26 वें स्थान पर है, भारत 46वें पर और पाकिस्तान 104 वें स्थान पर है। पाकिस्तान में भी भारत की तरह चुनाव तो होते हैं लेकिन वहां भी अफ्रीकी देशों की तरह फौज का स्थान सर्वोपरि है। फौज पाकिस्तान की स्थायी महारानी है। सारी दुनिया की कुल आबादी में सिर्फ 6.4 प्रतिशत जनता ही स्वस्थ लोकतंत्रों में रहती है। दूसरे देशों का जो भी हाल हो, हम भारतीयों की इस खोजबीन में लगना चाहिए कि हमारे लोकतंत्र की बाधाएं क्या-क्या हैं? सबसे पहली बाधा तो यही है कि सभी पार्टियां प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां बन गई हैं। उनमें आंतरिक स्वतंत्रता शून्य हो गई है।

दूसरा, हमारे यहां मतदान के आधार प्राय: मजहब या जाति बन गए हैं। तीसरा, जन-प्रतिनिधियों को वापस बुलाने का अधिकार जनता को नहीं है। चौथा, देश का शासन, प्रशासन, कानून और न्याय सब कुछ अब भी पुराने मालिक अंग्रेज की भाषा में ही चल रहा है। पांचवां, हमारे नेताओं का ब्रह्म सत्य सत्ता और पत्ता है। लोक-कल्याण तो माया है। उसे नौकरशाहों के हवाले कर दिया गया है। छठा, देश की ज्यादातर जनता के लिए उचित परिमाण में शिक्षा, चिकित्सा और खुराक का इंतजाम अभी तक नहीं हुआ है। इन सवालों का जवाब कोई ढूंढे तो देश में सच्चा लोकतंत्र लाने में देर नहीं लगेगी।

मूल प्रश्नों का समाधान हो प्राथमिकता

सुरेश सेठ

पहली फरवरी को देश की संसद में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने देश के आर्थिक वर्ष 2022-23 के लिए बजट पेश किया। बिना फाइल और कागज के पेश किये गये इस बजट को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने डिजिटल बजट कहा। बेशक बजट पेश हो जाने के बाद पूरे देश में इस पर जो विवाद उठा, आलोचना-प्रत्यालोचना हुई और इसके उत्तर में प्रधानमंत्री ने जो देश की आजादी के अमृत महोत्सव से लेकर देश की आजादी के पहली सदी उत्सव तक जो नये आर्थिक-सामाजिक ढांचे की नींव रखकर देशवासियों के लिए एक नया भारत बना देने की बात की, वह धीरज बंधाती है। यह भी बता रही थी कि देश की मूल कमियों को दूर कर एक आधुनिक भारत की नींव रखी जा रही है, जो पच्चीस साल में अपने बदलाव का खाका पेश करेगी। आजादी की पहली सदी के बीतते-बीतते इस देश की डेढ़ अरब आबादी अपने आप को आर्थिक कष्ट से रहित वैश्विक विकास के समकक्ष एक ऐसे आर्थिक व्याधियों से मुक्त समाज में सांस लेता पायेगी कि हमारी अगली पीढ़ी इसके लिए हमारा धन्यवाद कहेगी।

बेशक दीर्घकालीन विकास के लिए नींव रख देने का यह आश्वासन बहुत गर्व देता है। साथ ही देश के मौजूदा भाग्य निर्माताओं द्वारा देश के हर राज्य या केंद्रशासित प्रदेश में बह रही राहतों और रियायतों की संस्कृति के निर्माण की आपाधापी से अलग हो, देश के लिए एक मजबूत नींव दे देने का प्रयास दिखाता है। पिछले दिनों कोरोना महामारी के असहाय कर देने वाले दो सालों में देश के आर्थिक और सामाजिक वातावरण का बदलाव रुक गया था। देश का आर्थिक विकास तीव्र गति से विकासशील होने के स्थान पर सन 2020 में रिकार्ड गिरावट दिखाने लगा। सकल घरेलू उत्पादन और विकास दर में गिरावट दिखी। यह सही है कि बीते वर्ष में इस महामारी की दूसरी लहर ने आम जनता के लिए मरणकाल व आक्सीजन और वेंटिलेटरों के अभाव की एक ऐसी घुटनभरी व्यवस्था दिखायी कि देश में एक भय और अटपटी मनोदशा पैदा हो गयी। इससे बचने के लिए सांत्वना आंकड़ों की रपटों का एक माहौल तो पैदा किया गया कि देश इस महामारी के विध्वंसक प्रभावों से बच निकला है। जो प्राणवायु के अभाव और उचित उपचार की गैर हाजिरी एक मिथ्या प्रचार है। राष्ट्रीय स्तर पर गिनें तो नाम मात्र मौतें हुई हैं। हां, राज्यों के अपने-अपने आंकड़े हो सकते हैं, लेकिन उनमें भी इस महामारी से जूझने की तत्परता रही।

जब-जब कोरोना की लहर की पहली, दूसरी और तीसरी लहर के कुप्रभाव घटे या इसकी वापसी हुई, उद्योग, निवेश और कृषि ने एक नयी सक्रियता की सांस ली। अब आलम यह है कि देश ऋणात्मक विकास दर के माहौल से वापसी कर रहा है, साढ़े आठ प्रतिशत धनात्मक आर्थिक विकास दर तक पहुंच गया। इस आर्थिक वर्ष के अंत तक 9.2 प्रतिशत दर प्राप्त करेगा। स्वतस्फूर्त अर्थव्यवस्था दस प्रतिशत आर्थिक विकास दर की नींव पर खड़ी होती है, इसे हम अगले आर्थिक वर्ष में प्राप्त कर लेंगे। बजट में भी नये एफपीओ बनाने, लघु और कुटीर उद्योगों के विकास के वादे हैं, राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के बदलने के वादे हैं, पर्याप्त धनराशि का आवंटन है, लेकिन क्या कारण है कि आम आदमी की आशंका जाती नहीं कि उसकी अपनी लाल रेखा के पीछे भी धनिक व्यवसायियों के आत्मनिर्भर भारत के नाम पर नवोन्मेष कार्यक्रमों की इजाजत दे दी गयी है। इसके कारण छोटे लोगों का स्टार्टअप अभियान करवट भी नहीं ले पाता? इस महामारी काल में सरकार ने बार-बार आर्थिक बूस्टर दिये, उदार साख व्यवस्था को जिंदा रखा और निजी क्षेत्रों को कर रियायत का माहौल देकर पुनर्जीवन का माहौल दिया, लेकिन क्या कारण है कि नया निवेश बड़े पैमाने पर उत्साहित नजर नहीं आया? इस वर्ष विदेशी निवेश क्यों बड़े पैमाने पर निवेशित होकर अपने मूल देशों में लौटने लगा?

नये करों से रहित इस बजट के प्रोत्साहन के बावजूद धड़ाम गिरती शेयर मार्केट में चन्द रोज अपेक्षित प्रभाव के बावजूद कोई स्थायी उर्ध्वगामी प्रभाव क्यों नहीं हुआ? आम आदमी की जिंदगी लौट आने का कोलाहल क्यों नहीं हुआ? नये भारत बनाने की दीर्घकालीन नीतियां तो सामने आ गयीं, लेकिन महामारी से प्रताड़ित देश के मध्यवर्ग और वंचित वर्ग को कोई तात्कालिक राहत नहीं मिली। जब तक बेरोजगारों के लिए रोजगार, छोटे लोगों के लिए स्वप्रेरित निवेश और उसके लिए महंगाई नियंत्रण की संभावनाएं पैदा नहीं होती, तब तक इस वर्ग के लिए सस्ते दाम मूल आवश्यकताओं की पूर्ति का माहौल पैदा नहीं होगा। इनके बाजारों में अनियंत्रित महंगाई द्वारा पैदा मांग न होने की निर्जीवता छायी रहेगी। तिस पर भ्रष्टाचार को जड़ से मिटा देने की सरकारी यलगार के बार-बार दोहराने के बावजूद अपने देश में भ्रष्टाचार और सिफारिश जुटा, काम करवाना एक जीवनशैली बन गया है। कब इस देश का साधारण जन अपने पैरों के नीचे वादों की धरती नहीं, एक नये प्रभाव और सदाचार से भरी हुई धरती प्राप्त करेगा? पचहत्तर वर्ष का इंतजार कोई कम इंतजार नहीं होता, अब इसमें मूलभूत आर्थिक ढांचे के निर्माण के नाम पर पच्चीस वर्ष और जोड़े जा रहे हैं लेकिन भूखे व्यक्ति को तो तत्काल रोटी चाहिए। वह भी रियायत और दान से निकली हुई लंगर की रोटी नहीं, अपनी मेहनत की रोटी। प्रशासन से सुशासन चाहिए। ग्रामीण भारत के छोटे-छोटे किसानों को अपने लिये लघु और कुटीर उद्योग का सहयोग चाहिए।

गुणों की खान है हरा चना

क्यों है हरा चना सुपरफूड

हरा चना या छोलिया बीन्स के परिवार से आने वाली एक स्वादिष्ट सब्जी है। जो आमतौर पर आपको सर्दियों में खाने को मिलती है। इसके अलावा सूखे हरे चने आपको पूरे साल में खाने को मिल सकते हैं। इनका स्वाद थोड़ा मीठा होता है और इन्हे चावल और आलू के साथ पकाकर खाया जा सकता है। इसके अलावा हरे चने को काली मिर्च के साथ सूखा भी खाया जा सकता है। अगर बात करे हरे चने के गुणों की करें तो इसके अंदर आपको फाइबर, प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स मिल जाते हैं।

भारतीय रसोई में प्राचीन काल से ही ऐसे - ऐसे व्यंजन पकाए जाते हैं जो बड़ी-बड़ी बीमारियों तक से बचाकर रखते हैं। आज हम आपको ऐसी ही एक चीज के बारे में बताएंगे, जो आमतौर पर सर्दियों में पाई जाती है। हम बात कर रहे हैं हरे चने, जिन्हें हिंदी में छोलिया भी कहा जाता है। यह आकार में काले चने की तरह होते हैं, लेकिन इनका रंग हरा होता है। यह बीन्स के परिवार से संबंध रखते हैं और सर्दियों में ही उगते हैं। आपको बता दें कि हरा चना दुनिया की सबसे पुरानी फसलों में से एक है। सर्दियों के दौरान आप हरे चने के अलावा लोबिया या राजमा का भी स्वाद ले सकते हैं, जो खाने में स्वादिष्ट होती हैं। बहरहाल अपने इस लेख में हम आपको हरे चने या छोलिया के गुणों और फायदों के बारे में बताएंगे। आइए जानते हैं छोलिया खाने के फायदे और आखिर क्यों इसे सुपर फूड कहा जाता है।

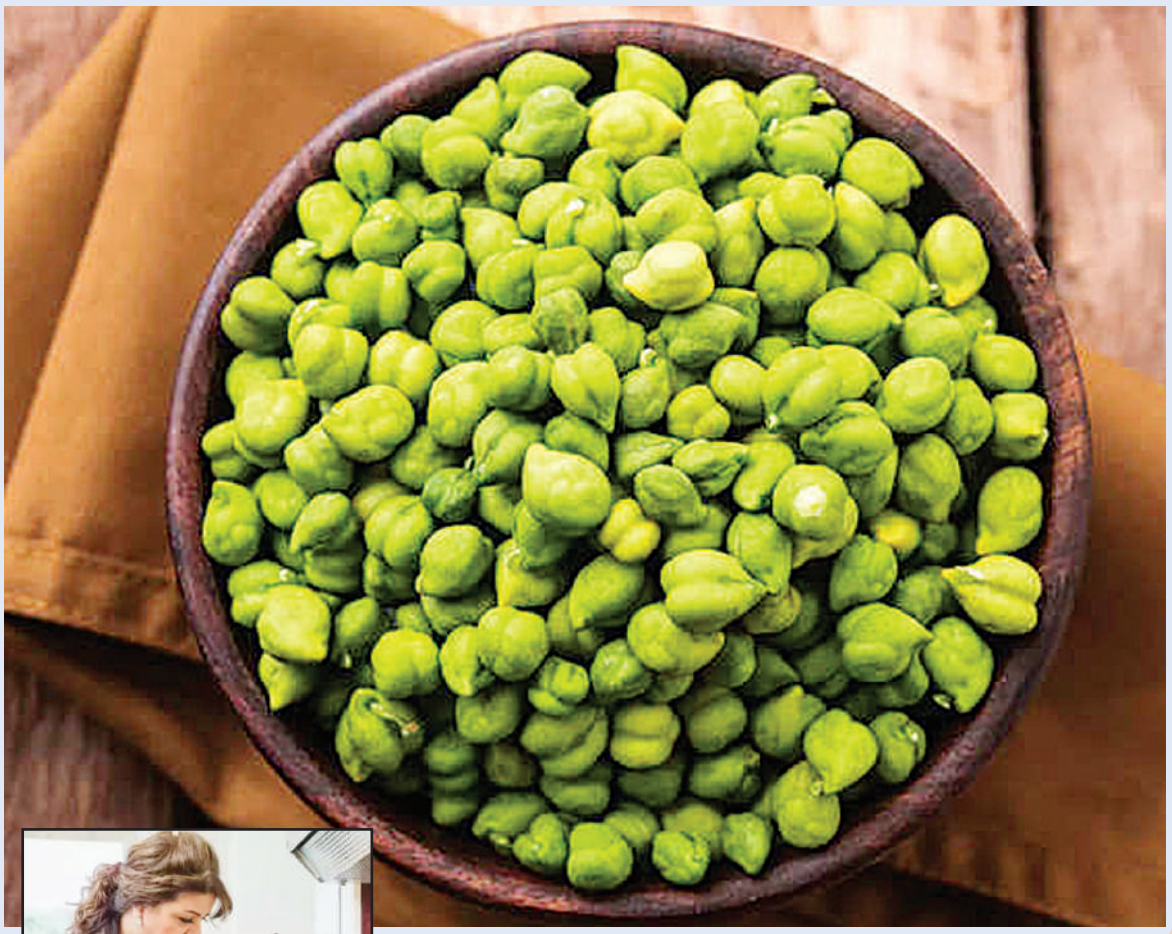

हरे चने के फायदे

अगर आप शाकाहारी हैं तो हरे चने को आपकों इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। यह प्लांट बेस्ड फूड आपकी सेहत को कई तरह से लाभ पहुंचा सकता है। हरे चने के जरिए आपकी पाचन क्रिया बेहतर होती है, साथ ही यह हृदय रोग के खतरों को भी कम कर सकता है।

प्रोटीन का भंडार

एक कप हरे चने में महज 346 कैलोरीज मौजूद होती हैं। इसके अलावा 19.3 ग्राम प्रोटीन, 17.3 ग्राम डाइटरी फाइबर, 6 ग्राम फैट और 10 ग्राम नेचुरल शुगर होता है। अब अगर आप इन हरे चनों की तुलना इसी परिवार के दूसरे बीन्स के साथ करेंगे तो आपको पता चलेगा कि आखिर क्यों इसे सुपर फूड की श्रेणी में रखा जा सकता है। जाहिर सी बात है हरे चने में मिलने वाले पोषक तत्वों की मात्रा बेहद अधिक है। शायद इसलिए इसे सुपर फूड कहा जाता है।

हरे चने को पकाने का तरीका

- आप सबसे पहले इन हरे चनों को पानी से अच्छी तरह धो लें।
- इसके बाद कुछ नमक डालकर कुकर में डाल दें और इन्हें उबलने दें।
- इसके बाद आप इनका सेवन सलाद के तौर पर कर सकते हैं।
- इसके अलावा आप चाहें तो सोया चंक्स और आलू के साथ मसालों के साथ सब्जी भी बना सकते हैं।
- अगर आप इन्हें अपने ब्रेकफास्ट में शामिल कर रहे हैं तो बस 10 मिनट के लिए भाप से पकाएं और इन पर चाट मसाला छिड़क कर इनका सेवन करें। अगर आप चाहें तो नींबू के रस और चाट मसाला छिड़क कर इन्हें कच्चा भी खा सकते हैं।

बढ़ने नहीं देता कोलेस्ट्रॉल

ज्ञात हो कि हरे चने के जरिए कोलेस्ट्रॉल आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है। इसके अलावा यह शरीर को सभी तरह के अमीनो एसिड प्रदान करता है। साथ ही यह वजन घटाने और उसे मैनेज करने में भी सहायता कर सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि हरे चने में सोडियम और फैट कम होता है। साथ ही प्रोटीन का भी अच्छा स्रोत है जो वजन घटाने और मसल्स गेन करने में भी मदद करता है।

हंसना मना है

बैंक की खिड़की पर खड़े आदमी को कैशियर ने कहा पैसे नहीं है। ग्राहक: दो नीरव मोदी और विजय माल्या को पैसा, सारे पैसे लेकर भाग गए विदेश में। कैशियर ने खिड़की में से हाथ निकाला और उसकी गर्दन दबोच कर कहा बैंक में तो हैं तेरे खाते में नहीं हैं भिखारी।

वैलेंटाइन डे पर बुजुर्ग कपल ने जवानी के दिनों को याद किया बुजुर्ग आदमी फूल लेकर वहीं पहुंचा जहां वो जवानी में मिला करते थे, वहां खड़े-खड़े उसके पैरों में दर्द हो गया लेकिन बुजुर्ग महिला नहीं पहुंची, घर जाकर बुजुर्ग आदमी गुस्से में बोला कि आईं क्यों नहीं? बुजुर्ग महिला शर्माते हुए बोला- मम्मी ने आने नहीं दिया।

जज: घर में मालिक होते हुए तूने चोरी कैसे की? चोर: साहिब आपकी नौकरी भी अच्छी है, सैलरी भी अच्छी है फिर आप यह सीखकर क्या करोगे?

एक इंजीनियरिंग स्टूडेंट छत पर खड़ा था। तभी एक पड़ोसी: तो बेटा अब आगे क्या सोचा है? स्टूडेंट : बस अंकल, टंकी भरते ही मोटर बंद कर दूंगा।

डॉक्टर: तुमने आने में देर कर दी। चिंटू: क्या हुआ डॉक्टर साहब, कितना वक्त बचा है मेरे पास? डॉक्टर: मर नहीं रहे हो, 6 बजे का अपॉइंटमेंट था 7 बजे आए हो।

कहानी — कितने ईमानदार

एक बार बादशाह अकबर ने पूछा, बीरबल हमारी राजधानी में कितने ईमानदार हैं? ईमानदार अधिक हैं या बेईमान? जहांपनाह, बेईमान अधिक हैं। बीरबल ने कहा। सिद्ध कर सकते हो? बिल्कुल। ठीक है। सिद्ध करो। दूसरे दिन बीरबल ने महल का हौज खाली करवा दिया और नगर में ढिंढोरा पिटवा दिया, आज रात को नगर का हर आदमी बादशाह के महल के हौज में एक-एक घड़ा दूध डाले। सुबह होते ही बीरबल अकबर को हौज के पास ले गये। हौज को देखते ही बादशाह अकबर की आंखें खुली की खुली रह गयी। वे जोर से चिल्लाए, यह क्या है? हौज में दूध के बदले पानी। मेरे हुकम का ऐसा अनादर। बादशाह अकबर गुस्से से लाल-पीले हो गये। बोले, यह कैसे हो सकता है? बीरबल। ढिंढोरा पिटवाने में जरूर कोई भूल हुई होगी। लोग बादशाह के हुक्म का पालन न करें, ऐसा हो ही नहीं सकता। बीरबल ने शान्तिपूर्वक अकबर से कहा, हुजूर, जैसा आप सोचते हैं, नहीं हुआ है। सच बात तो यह है कि सभी ने जान-बूझ कर हौज में दूध के बदले पानी डाला है। अकबर ने कहा, मैं कैसे मान लूं कि जैसा तुम कह रहे हो, ऐसा ही हुआ होगा। हुजूर! मेरे साथ चलिए, अभी दूध का दूध और पानी का पानी हो जाता है। दोनों भेष बदलकर बाहर निकले। चलते-चलते वे एक सेठ की हवेली पर पहुंचे। सेठ ने पूछा, कौन हैं आप? बीरबल ने कहा, राहगीर हैं भाई। थोड़ी देर रुक कर आगे चले जाएंगे। सेठ ने कहा, आइए, अंदर आ जाइए। दोनों अन्दर गये। पानी पिया, फिर आराम से बैठे। बीरबल ने कहा, सेठजी! आपके बादशाह ने अपने हौज में लोगों को एक-एक घड़ा दूध डालने का हुक्म दिया था, क्या यह बात सच है? सेठ ने कहा, हां, सच है। बीरबल ने कहा, किसी को ऐसी बात पसन्द नहीं आती, लेकिन बेचारे क्या करते? बादशाह का हुक्म था इसलिए। सेठ ने कहा, हुक्म देने वाला तो हुक्म दे देता है, पर मनुष्य में तो बुद्धि होती है न? बीरबल ने कहा, मतलब? सेठ ने बताया, देखिए... किसी से कहना मत! मैंने तो हौज में दूध के बजाय एक घड़ा पानी ही डाल दिया था। रात के अंधेरे में कौन देखता है कि घड़े के अन्दर क्या है। फिर नगर के सारे लोग तो दूध डालने ही वाले थे। उसमें मैंने एक घड़ा पानी डाल दिया तो क्या फर्क पड़ता है? अकबर और बीरबल सेठ से इजाजत लेकर रवाना हुए। इसी तरह वे चार-पांच जगह और गए। सभी से एक ही बात सुनने को मिली कि हौज में सभी लोग दूध डालने वाले थे, पर अंधेरे में कौन देखता है कि घड़े में दूध है या पानी, यह सोचकर हर किसी ने हौज में दूध के बजाय पानी ही डाला था। बीरबल ने कहा, हुजूर, अभी और कहीं पता लगाने जाना है क्या? अकबर ने कहा, नहीं... नहीं...। इतना ही बहुत है। तुम सच कहते हो, सभी बेईमान गलत काम में एक हो जाते हैं और खासतौर पर स्वार्थ साधने में।

शिक्षा : हमें निर्णय पर पहुंचने से पहले तथ्यों पर गौर कर लेना चाहिए। यह एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि डर हमेशा अधिकारी की आज्ञा पालन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है, अधिकारी इस बात का लाभ उठा सकते हैं। यदि उच्च अधिकारी इस बात से अनभिज्ञ है तो उसके अन्तर्गत काम करने वाले डर खो देते हैं जबकि उच्चाधिकारी अपनी अधिकारिता।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज पार्टनर से मिलने के लिए बेताब रहेंगे। अविवाहित लोग प्रेमी को समय देंगे। पति-पत्नी के बीच प्यार रहेगा। लज़ीज़ खाना और पेय यह दिन आपके और आपके जीवनसाथी के लिए ही बना है।

वृषभ प्रेमी के साथ मन मुटाव हो सकता है। अपनी भावनाएं किसी पर न थोपें। मन में प्रसन्नता रहेगी। आपसे ज्यादा उम्र का कोई व्यक्ति आपकी ओर अट्रैक्ट हो सकता है।

मिथुन आज पार्टनर से बहस करने से बचें। प्रेम संबंधों का बनाए रखने के लिए कुछ बातें इग्नोर करनी पड़ेगी। पति-पत्नी के बीच रिश्ते सामान्य रहेंगे। नई रिलेशनशिप शुरू करने के लिए समय अनुकूल है।

कर्क आज आपका मूड रोमांटिक रहेगा। पार्टनर की कोई बात आपको परेशान कर सकती है। शाम को प्रेमी के साथ समय बिताएंगे। पार्टनर के साथ घूमने का प्लान बना सकते हैं।

सिंह आज पार्टनर आपको प्यार का इजहार कर सकता है। प्रेमी से कोई उपहार मिल सकता है। पार्टनर के साथ समय बिताएंगे। लव लाइफ में खुशी और तालमेल रहेगा।

कन्या पार्टनर की तरफ से आज आपको खूब प्यार मिल सकता है। प्रेमी के मन का ख्याल रखें। बाहर घूमने का प्लान बन सकता है। प्रेमी की सेहत का ख्याल रखें।

तुला पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। अपने से ज्यादा उम्र वाले किसी इंसान की ओर आप आकर्षित हो सकते हैं। पार्टनर की कोई बात आपको परेशान कर सकती है।

वृश्चिक आज से शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चलेगी। पार्टनर के साथ समय बिताएंगे। आपकी किसी बात से पार्टनर परेशान हो सकता है। अपनी भावनाएं न थोपें।

धनु आज के दिन आप खुश रहेंगे। पार्टनर से अच्छी खबर मिल सकती है। प्रेमी से अपने संबंधों को लेकर गंभीर बात कर सकते हैं। यात्रा करना फायदेमंद लेकिन महंगा साबित होगा।

मकर प्रेमी की आज कोई बात परेशान कर सकती है, जिससे आप निराश रहेंगे। प्रेमी से अपनी बात मनवाने की कोशिश न करें। इस सप्ताह अविवाहित लोगों को शादी का प्रपोजल मिल सकता है।

कुम्भ आज आपका मूड रोमांटिक रहेगा। जो लोग किसी को प्रपोज करने का मन बना रहे हैं उन्हें सफलता मिलेगी। इस राशि के जो लोग अविवाहित हैं आज उन्हें विवाह का प्रस्ताव मिलेगा।

मीन काम के सिलसिले में आप बाहर जा सकते हैं। नई संभावना पर गंभीरता से विचार करें। व्यवसाय से जुड़ा कोई फैसला लेते वक्त आप सावधान रहें ताकि कोई आप को ठगे नहीं।

बॉलीवुड | मन की बात

अक्षय कुमार ने पुलवामा में शहीद हुए जवानों को याद कर दी श्रद्धांजलि

14 फरवरी, 2019 को जम्मू कश्मीर के पुलवामा में हुए आंतकी हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हुए थे। सोमवार को हमारे देश के जवानों की शहादत को 3 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट शेयर कर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। अभिनेता ने अपने ट्विटर हैंडल पर पोस्ट शेयर कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लिखा, 'पुलवामा में आज ही के दिन अपनी जान गंवाने वाले हमारे सभी वीर जवानों को मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि। हम उनके और उनके परिवारों द्वारा दिए इस सर्वोच्च बलिदान के लिए हमेशा आभारी रहेंगे।' वहीं, सोशल मीडिया पर फैंस भी पुलवामा हमले में शहीद हुए जवानों के बलिदान को याद करते हुए पोस्ट शेयर कर श्रद्धांजलि दे रहे हैं। बता दें, 14 फरवरी, 2019 को पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद आतंकी संगठन ने पुलवामा में आसीआरपीएफ के काफिले पर घात लगाकर हमला किया था। इस दर्दनाक घटना में देश के 40 जवान शहीद हो गए थे। वहीं बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो वो साल 2022 में बैक टू बैक कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। अभिनेता जल्द ही चंद्र प्रकाश द्विवेदी के निर्देशन में बनी फिल्म पृथ्वीराज में मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ बॉलीवुड में डेब्यू कर रही अभिनेत्री मानुषी छिल्लर और रियल लाइफ हीरो सोनू सूद भी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा अभिनेता माइथोलॉजी फिल्म 'राम सेतु' में आर्कियलॉजिस्ट का किरदार में नजर आने वाले हैं, उन्हें फिल्म में गुफाओं से राम सेतु की लोकेशन तक पहुंचते हुए दिखाया जाएगा। साथ ही 'बच्चन पांडे', 'रक्षा बंधन' के मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं।

वैलेंटाइन डे

तुमसे मिलकर जाना सच्चा प्यार

बिपाशा ने करण सिंह के लिए लिखा रोमांटिक पोस्ट, कहा-

बॉलीवुड | मसाला

बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर बॉलीवुड के लवी डवी कपल्स में से एक हैं। सोशल मीडिया पर अक्सर दोनों अपनी फोटोज और वीडियो शेयर कर फैंस को अपनी क्यूट केमिस्ट्री की झलकियों से रूबरू कराते रहते हैं और आज तो वैलेंटाइन डे, ऐसे में वे भला अपने रिश्ते को कैसे एडमायर न करें। वैलेंटाइन डे पर बिपाशा ने अपने लाइफ पार्टनर करण के लिए एक दिल छू लेने वाला पोस्ट लिखा है।

बिपाशा बसु ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी और करण की एक रोमांटिक फोटो शेयर कर करण को वी डे विश किया। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, वह प्यार है। जब तक मैं करण से नहीं मिली थी, तब तक मुझे सच्चा प्यार नहीं पता था। प्यार आपको हंसाता है। प्यार आपको खुश करता है। प्यार आपको संतुष्ट रखता है। प्यार आपको मजबूत बनाता है। प्यार आपको प्रेरित करता है। प्रेम आपकी रक्षा करता है। प्यार आपका सम्मान करता है। प्यार तुम पर गर्व है। प्यार आपको जज नहीं करता। प्यार आपको ग्लो करवाता है। प्यार आपकी हर भावना का ख्याल रखता है। प्यार आपका सबसे अच्छा दोस्त होता है। प्यार हर मुश्किल को आसान बना देता है। मैं आगे और आगे जा सकती हूं। काश सभी को अपना एक सच्चा प्यार मिले। सभी को और मेरे प्यार को हैप्पी वैलेंटाइन्स डे।

करण सिंह और बिपाशा बसु जल्द ही द कपिल शर्मा शो में नजर आने वाले हैं। दोनो को वैलेंटाइन वीक स्पेशल में कपिल ने शो पर बुलाया है। शो का प्रोमो बिपाशा ने अपने इंस्टा अकाउंट पर शेयर किया है। जिसमें दोनो कपिल और अर्चना पूरण सिंह संग खूब मस्ती मजाक करते और शादी के साइड इफेक्ट्स बताते हुए नजर आ रहे हैं।

आपको बता दें कि बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर ने 2015 में आई फिल्म अलोन में साथ काम किया था। इस फिल्म से ही दोनों की लव स्टोरी शुरू हुई थी, जिसके बाद करीब एक साल तक डेटिंग करने के बाद इन दोनों ने साल 2016 में शादी कर ली। दोनों ने पंजाबी और बंगाली रीति रिवाजों से शादी की थी।

सीरियल किलर की तलाश में अजय देवगन, एक्शन अवतार में आया रुद्र

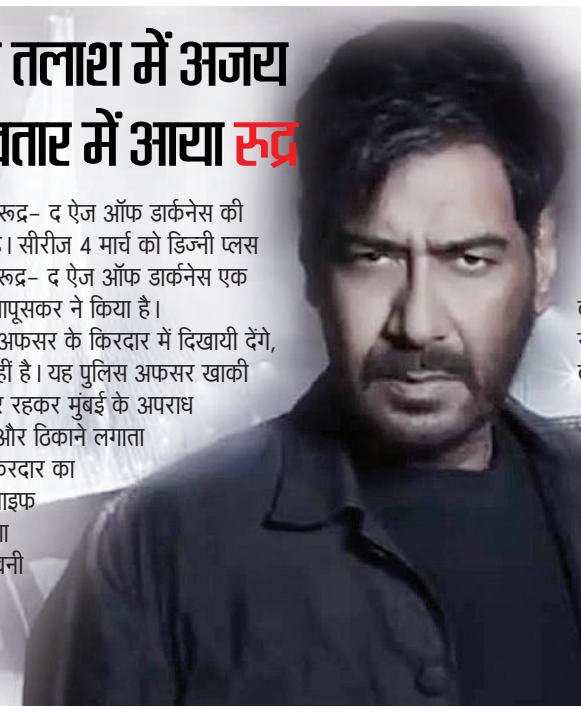

अजय देवगन की डेब्यू वेब सीरीज रूद्र- द ऐज ऑफ डार्कनेस की रिलीज डेट रिवील कर दी गयी है। सीरीज 4 मार्च को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम की जाएगी। रूद्र- द ऐज ऑफ डार्कनेस एक क्राइम सीरीज है, जिसका निर्देशन राजेश मापूसकर ने किया है।

इस सीरीज में अजय एक बार फिर पुलिस अफसर के किरदार में दिखायी देंगे, मगर इस बार उनका अंदाज सिंघम वाला नहीं है। यह पुलिस अफसर खाकी पहनकर काम नहीं करता बल्कि अंडर कवर रहकर मुंबई के अपराध की अंधेरी गलियों में क्रिमिनल्स को ढूंढता और ठिकाने लगाता है। 6 एपिसोड्स की सीरीज में अजय के किरदार का नाम रूद्रवीर सिंह है। रूद्र अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी उलझा हुआ है। सीरीज में एशा देओल, राशि खन्ना, अतुल कुलकर्णी, अश्विनी कालसेकर, मिलिंद गुणाजी और लूक केनी विभिन्न किरदारों में दिखेंगे। रूद्र- द ऐज ऑफ डार्कनेस का ट्रेलर दो हफ्तों पहले रिलीज किया गया था। बता दें, रूद्र ब्रिटिश टीवी शो लूथर का भारतीय रूपांतरण है। नील क्रॉस रचित सीरीज में इदरिस एल्बा ने डीसीआई जॉन लूथर का रोल निभाया था। इदरिस अंडरकवर पुलिस ऑफिसर के किरदार में थे। एलिस मोर्गन रूथ विल्सन के रोल में थीं। 2010 से 2019 के बीच इस शो के 5 सीजन आ चुके हैं। पहले सीजन में 6 एपिसोड्स थे। बीबीसी वन पर इसका प्रसारण हुआ था। रूद्र सीरीज का निर्माण अप्लॉज एंटरटेनमेंट और बीबीसी स्टूडियोज ने मिलकर किया है।

हॉटस्टार इससे पहले ब्रिटिश सीरीज डॉक्टर फॉस्टर का इंडियन अडेप्टेशन आउट ऑफ लव और क्रिमिनल जस्टिस का इसी टाइटल से भारतीय रूपांतरण ला चुका है। यह तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मराठी, मलयालम और बंगाली में भी रिलीज होगी।

अजब-गजब | ये है दुनिया की सबसे रहस्यमयी खदान

इस खदान के ऊपर से गुजरने वाली हर चीज हो जाती है गायब

पूरी दुनिया में ऐसे बहुत से स्थान हैं जिन्हें आज भी रहस्यमयी माना जाता है। इनके रहस्यों से आज तक वैज्ञानिक भी पर्दा नहीं हटा पाए। आज हम जिस रहस्यमयी स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं वह पूर्वी साइबेरिया में हैं। दरअसल, यहां स्थित एक खदान को रहस्यमयी माना जाता है। जो विश्व की सबसे बड़ी हीरे की खदान है जिसका नाम है मिरनी डायमंड माइन। मिरनी डायमंड माइन दुनिया की पहली ऐसी हीरे की खदान है जो खुली हुई है।

यह खदान 1722 फीट गहरी और 3900 फीट चौड़ी है। यह विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मानव निर्मित होल है। पहले नंबर पर बिंघम कॉपर माइन है। इस माइन को 13 जून, 1955 को सोवियत भूवैज्ञानिकों की एक टीम ने खोजा था। इसे खोजने वाले दल में यूरी खबरदिन, एकातेरिना एलाबीना और विक्टर एवदीनको शामिल थे। इसे खोजने के लिए सोवियत जियोलॉजिस्ट यूवी खबरदीन को 1957 में लेनिन प्राइज दिया गया था। उसके बाद 1957 में इस माइन का विकास कार्य शुरु किया गया। यहां साल के ज्यादातर महीनों में मौसम बेहद खराब रहता है। सर्दियों में यहां तापमान इतना गिर जाता है कि गाड़ियों में तेल भी जम जाता है और टायर फट जाते हैं। इसे खोदने के लिए कर्मचारियों ने जेट इंजन और डायनामाइट्स का इस्तेमाल किया था। रात के समय इसे ढंक दिया जाता था ताकि मशीनें खराब ना हो जाएं।

इसे खोजने वाले दल में यूरी खबरदिन, एकातेरिना एलाबीना और विक्टर एवदीनको शामिल थे। यूवी खबरदीन को 1957 में लेनिन प्राइज दिया गया था। इस खदान की खोज के बाद रूस हीरे का सबसे ज्यादा उत्पादन करने वाला दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया था। इस खदान से हर साल 10 मिलियन कैरेट हीरा निकाला जाता था। यह खदान इतनी विशाल है कि कई बार इसके ऊपर से गुजरने वाले हेलीकॉप्टर नीचे की ओर के हवा के दबाव से इसमें समा चुके हैं। इसके बाद से इसके ऊपर से हेलीकॉप्टर्स के गुजरने पर पाबंदी लगा दी गई। साल 2011 में इस खदान को पूरी तरह से बंद कर दिया गया।

समुद्री लुटेरे अपनी एक आंख पर क्यों बांधते हैं पट्टी

हम सभी ने समुद्री लुटेरों से जुड़ी हुई कई कहानियां और किस्से सुने होंगे। इनको हमने फिल्मों, कार्टूनों में भी देखा होगा। इन समुद्री लुटेरों की वेशभूषा ही अलग होती है। सिर पर एक बड़ी सी टोपी, अजीबोगरीब कपड़े और एक आंख पर पट्टी बंधी होती है। एक हॉलीवुड की बहुत ही प्रसिद्ध मूवी है पाइरेट्स ऑफ द कैरेबियन। इस मूवी में समुद्री लुटेरे का किरदार मशहूर हॉलीवुड अभिनेता जॉनी डेप ने निभाया है लेकिन कभी आपने सोचा है कि आखिर ये लुटेरे अपनी एक आंख पर हमेशा पट्टी क्यों बांधते हैं। दरअसल, आंखें हमारी शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग हैं। इसकी मदद से हम दुनिया को देख सकते हैं। ऐसे में जब समुद्री जहाज उजाले से अंधेरे की तरफ जाता है तो उस अंधेरे में भी साफ देखा जा सके इसके लिए वो एक आंख पर पट्टी बांधते है लेकिन, इसके पीछे एक विज्ञान काम करता है। अब बात करते हैं कि आखिर इसके पीछे का विज्ञान क्या है? दरअसल, इंसान जब उजाले से अंधेरे की तरफ जाते हैं तो पुतलियां सामान्य के मुकाबले फैल जाती हैं। ऐसा इसलिए होता है ताकि आंखों को ज्यादा से ज्यादा मात्रा में प्रकाश मिल सके जिससे अंधेरे में भी आसानी से देखा जा सके, लेकिन जब इंसान अंधेरे से उजाले की तरफ आता है तो आंखों की पुतलियां न तो फैलती है और न ही सिकुड़ती हैं। उस समय आंखे सामान्य हो जाती हैं। ऐसे में समुद्री लुटेरों को महीनों तक समुद्र में जहाज पर यात्रा करनी होती है। इस दौरान उन्हें बार-बार डेक पर जाना होता है। ऐसे में जहाजों में जहां सामान रखे जाते हैं वो काफी अंधेरे वाली जगह होती है। ऐसे में जब लुटेरे डेक में घुसते हैं तो अपने आंखों पर से लाल या काली पट्टी हटा लेते हैं। वह ऐसा इसलिए करते हैं कि सामानों को देखने में उन्हें कोई परेशानी न हो। इन्हें अपनी आंखों पर पट्टी बांधने का ये फायदा होता है कि जब वे उजाले से अंधेरे में जाते हैं तो उनकी आंखों की पुतली को फैलने में ज्यादा समय नहीं लगता, क्योंकि उनकी एक आंख तो पहले से अंधेरे में होती है। समुद्र में यात्रा के दौरान आंखों पर पट्टी बांधने का नियम बहुत पुराना है। इस नियम की वजह से दुश्मन से लड़ने के लिए लुटेरों को अपनी दोनों आंखों को अंधेरे और प्रकाश के लिए तैयार रखना पड़ता है। हालांकि दिन में पट्टी बांधने की ज्यादा जरूरत होती है, क्योंकि रात में तो अपने आप ही चारों तरफ अंधेरा रहता है जिससे आंखों की पुतलियों पर ज्यादा भार नहीं होता है।

भाजपा सरकार में माफिया जेल में हैं या बेल पर : नड्डा

» सबका साथ, सबका विकास को भाजपा ने सच कर दिखाया

» भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सपा पर जमकर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। प्रदेश के बाराबंकी में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कुर्सी विधान सभा क्षेत्र में सोमवार को जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने पुलवामा हमले और एयर स्ट्राइक की याद दिलाकर लोगों के बीच एक भावनात्मक संदेश देने की भी कोशिश की। जेपी नड्डा ने मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद के नाम पर

अखिलेश यादव को भी जमकर घेरा।

उन्होंने कहा कि सपा सरकार में माफिया और गुंडे मंत्री विधायक होते थे, आज सपा के ज्यादातर माफिया विधायक या तो जेल में हैं या फिर बेल पर हैं। नड्डा ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि कार सेवकों पर गोली चलवाने वाले आज मंदिर मंदिर घूम कर घंटी बजा रहे हैं। अब घंटी बजाने से क्या फायदा, जब चिड़िया चुग गयी खेत। नड्डा ने दो तारीखों का जिक्र करते हुए कहा कि यह दो ऐसी तारीख हैं जब सुप्रीम कोर्ट को तत्कालीन समाजवादी पार्टी की सरकार को फटकार लगानी पड़ी। एक 22 मई 2007 गोरखपुर का सीरियल बम ब्लास्ट के आरोपित तारिक कासमी और खालिद मुजाहिदीन को समाजवादी पार्टी ने केस वापस लेने की कोशिश की जिसका हाईकोर्ट ने करारा जवाब दिया और अंत में उनको उम्र कैद की सजा हुई। आतंकी हमले के आरोपों को वापस लेने समाजवादी पार्टी की सरकार आगे आई। उनको फांसी दी गई और तीन को उम्रकैद की सजा दी गई। नड्डा ने कहा कि सपा प्रमुख गुंडों, माफियाओं के साथ आतंकवादियों के भी रक्षक हैं जबकि भाजपा की सरकार आज केवल गुंडे माफिया ही नहीं आतंकवादियों का भी सफाया कर रही है।

उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास के नारे को भारतीय जनता पार्टी ने सच करके दिखाया है। कोरोना काल में 20 लाख जनधन खातों में 500 रुपये दिए। साथ ही गरीबों को राशन देकर जीवन देने का काम किया है। एक तरफ सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास सबका विश्वास देने वाली सरकार है तो दूसरी तरफ माफिया, भय और आतंक मचाने वाले लोग हैं।

थमने लगी कोरोना की रफ्तार, चौबीस घंटे में 27हजार से अधिक केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 27,409 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 82,817 लोग कोरोना से ठीक हुए जबकि 347 लोगों की मौत हो गई। तीसरी लहर में कोरोना के मामलों और मौतों की संख्या में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है।

इससे पहले, सोमवार को देश में कोरोना के 34,113 नए मामले दर्ज किए गए थे। वहीं, रविवार को 44,877 मामले सामने आए थे। कल कोरोना से 346 लोगों की मौत हुई थी जबकि रविवार को संक्रमण से 684 लोगों की जान गई थी। देश में अब एक्टिव केस घटकर 4,23,127 हो गए हैं। वहीं, कोरोना से अब तक 4,26,92,943 लोग संक्रमित हो चुके हैं। वहीं, कुल 4,17,60,458 लोग ठीक हो चुके हैं। इसके अलावा 5,09,358 मरीजों की मौत भी हो चुकी है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के मुताबिक, भारत में कल कोरोना वायरस के लिए 12,29,536 सैंपल टेस्ट किए गए।

भाजपा की गलत नीतियों से बढ़ी बेरोजगारी और महंगाई : मायावती

» दलित, महिलाएं नहीं है सुरक्षित, बसपा घोषणा नहीं करने में करती है विश्वास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालौन। उरई में जनसभा को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा कि भाजपा की गलत नीतियों के कारण उत्तर प्रदेश में गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी है। रोजी-रोटी के लिए उत्तर प्रदेश से जो लोग पलायन किए थे, वह सभी बसपा सरकार में वापस उत्तर प्रदेश में आ गए थे। दलित, महिलाएं भाजपा सरकार में बिल्कुल सुरक्षित नहीं हैं, इनके ऊपर हुए अत्याचारों को दबा दिया जाता है।

मायावती ने कहा कि प्रदेश से बेरोजगारी और महंगाई दूर करने के लिए हर जरूरी कदम उठाए जाएंगे। बसपा की सरकार में दलित एवं अन्य वर्गों में जन्मे संत महापुरुषों को पूरा सम्मान दिया गया और आगे भी इनके सम्मान में कोई कमी नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि झांसी मंडल के लोगों को मैं यह विश्वास दिलाना चाहती हूं कि पूर्व की तरह ही हमारी सरकार

में जो भी यहां के बेरोजगार युवक हैं, उनकी रोटी रोजी की व्यवस्था की जाएगी। आपके झांसी मंडल की जो भी स्थानीय समस्याएं होंगी। उन्हें भी दूर करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। साथ ही जाति व धर्म के नाम पर भाजपा सरकार में जिस तरह लोगों का शोषण हो रहा है, बसपा सरकार में किसी भी कीमत पर इस तरह का शोषण नहीं होने दिया जाएगा। विरोधी दल हवा-हवाई और प्रलोभन भरा घोषणा पत्र जारी करते हैं। सत्ता में आने के बाद उस पर अमल नहीं करते। बसपा अपना घोषणा पत्र नहीं जारी करती है। बसपा कहने में नहीं कार्य करके दिखाने में ज्यादा विश्वास रखती है।

मुख्तार के बेटे अब्बास अंसारी ने किया नामांकन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मऊ। यूपी विधान सभा चुनाव में सातवें चरण के लिए सोमवार को मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी ने सुभासपा से मऊ सदर सीट के प्रत्याशी के तौर पर नामांकन किया। नामाकंन में महज दो दिन का समय ही शेष बचा है। अभी तक मुख्तार अंसारी की तरफ से नामांकन न होने की स्थिति में अब्बास के ही चुनाव लड़ने की प्रबल संभावना है।

प्रस्तावकों तथा अधिवक्ताओं के साथ अब्बास अंसारी ने नामांकन किया। नामांकन के बाद अब्बास अंसारी ने प्रेस प्रतिनिधियों से कहा कि मऊ जिले से उनका लगाव है, अब यह उनकी कर्म भूमि है और जनता उनके साथ है। सोमवार को मुख्तार की तरफ से नामांकन न करने पर लोगों ने इस बार चुनाव न लड़ने का संभावना जताई है। वहीं राजनीतिक जानकारों का मानना है कि मुख्तार अंसारी ने भविष्य को देखते हुए यह फैसला बहुत ही सोच समझकर लिया होगा। नामांकन के बाद मीडिया से अब्बास अंसारी ने कहा कि पिता और पुत्र में फर्क नहीं है।

आप ने जारी की आठ और प्रत्याशियों की सूची पांच के टिकट बदले

» अब तक 385 उम्मीदवारों के नामों का कर चुकी ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी ने सोमवार को आठ और प्रत्याशियों की सूची जारी की है। इसके साथ ही पूर्व में घोषित पांच सीटों पर टिकट बदले गए हैं। पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की मंजूरी मिलने के बाद पार्टी के प्रदेश प्रभारी व सांसद संजय सिंह ने प्रत्याशियों की नई सूची और टिकट बदले गए प्रत्याशियों की सूची जारी की है। पार्टी की ओर से अब तक 385 प्रत्याशियों की घोषणा हो चुकी है।

पार्टी के प्रदेश महासचिव दिनेश सिंह पटेल ने बताया कि आजमगढ़ के मुबारकपुर से बबलू चौहान, गाजीपुर सदर से बिहारी लाल सिंह, गाजीपुर के जहूराबाद से शिव पूजन सिंह चौहान व जमानियां से रवि यादव, जौनपुर के मल्हनी से जय प्रकाश

चौहान व मुंगराबादशाहपुर से जय प्रकाश पटेल, सोनभद्र के रॉबर्टसगंज से कुलदीप अग्रवाल और वाराणसी के शिवपुर से अनीसुर्रहमान को उम्मीदवार बनाया गया है। इसी प्रकार पांच सीटों पर प्रत्याशियों में बदलाव किया गया है। इनमें आजमगढ़ के दीदारगंज से रश्मि विश्वकर्मा व फूलपुर पवई से किरन जायसवाल, भदोही के औराई से कविता, चंदौली के चकिया से इं. प्रवीण सोनकर और सोनभद्र के ओबरा से रमाकांत पनिका अब चुनाव लड़ेंगे।

प्रतापगढ़ में युवक की हत्या से सनसनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। यूपी के प्रतापगढ़ में युवक की गला काटकर हत्या कर दी गयी। वारदात को अंजाम देकर हत्यारे फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिवार के लोगों से पूछताछ और जांच-पड़ताल की। हत्यारों की तलाश की जा रही है लेकिन उनका पता नहीं चल सका है।

विश्वनाथगंज कोतवाली क्षेत्र के मानधाता स्थित कटाता गांव में अशोक कुमार हरिजन 45 वर्ष पुत्र स्वर्गीय रामसुमेर रहता था। सोमवार की रात में खाना खाने के बाद अशोक की पत्नी सीता देवी अपने बच्चों के साथ कमरे में सो रही थी। अशोक कमरे के बाहर टीन शेड के नीचे सोने चला गया था। रात में किसी समय हमलावर वहां पहुंचे और गले पर चाकू से वार करके उसकी हत्या कर दी। अशोक की हत्या की जानकारी पत्नी सीता देवी को आज सुबह हुई। जब वह सोकर उठी और बाहर निकली और देखा कि टीन शेड के नीचे अशोक की लाश पड़ी थी। उसका गला रेता गया था। सूचना पर मानधाता कोतवाल उदयवीर सिंह पहुंचे। मौका वारदात का निरीक्षण करने के बाद पुलिस ने परिवार के लोगों से पूछताछ की। हत्यारोपितों की तलाश में पुलिस जुटी है लेकिन उनका अभी कुछ पता नहीं चल सका है।

सातवें चरण की सीटों पर भाजपा सपा में प्रत्याशियों को लेकर ऊहापोह

अभी तक 17 सीटों पर घोषित नहीं किए गए प्रत्याशी जारी है मंथन

» सभी दल समीकरणों के आधार पर करेंगे प्रत्याशियों का चयन

गीताश्री

वाराणसी। प्रदेश में विधान सभा चुनाव के सातवें चरण के लिए नामांकन में दो दिन ही शेष हैं लेकिन भाजपा व सपा गठबंधन अभी तक 17 सीटों पर प्रत्याशी घोषित नहीं कर सका है। 54 विधान सभा क्षेत्रों की इन सीटों पर प्रत्याशी घोषित न होने से दावेदार और समर्थकों में मायूसी है।

ज्ञानपुर सीट भाजपा के सहयोगी दल निषाद पार्टी के खाते में गई हैं। यहां आधा दर्जन दावेदार हैं। जौनपुर सदर, जफराबाद, मछलीशहर, मुंगराबादशाह पुर विस क्षेत्र में सपा गठबंधन को प्रत्याशी नहीं मिल रहे। यहां सुभासपा और अपना दल कमेरावादी के बीच रार है। तय नहीं हो पा रहा कि किसका प्रत्याशी

मैदान में उतरे। आजमगढ़ की मेंहनगर सीट के लोग भाजपा गठबंधन के प्रत्याशी की बाट जोह रहे हैं। गाजीपुर सदर से सपा प्रत्याशी को लेकर फैसला नहीं ले पा रही। चंदौली की मुगलसराय सीट पर सपा और बसपा ने प्रत्याशी नहीं उतारा है। वाराणसी में सेवापुरी व रोहनियां सीट पर भाजपा गठबंधन प्रत्याशी तय नहीं कर सका है तो वाराणसी उत्तरी, कैंट, पिंडरा, रोहनियां सीट पर सपा-सुभासपा के बीच सहमति नहीं पा रही। इन 17 सीटों पर प्रत्याशी तय नहीं कर पाने का प्रमुख कारण मजबूत दावेदार हैं। राजनीतिक दल किसी को नाराज करने की स्थिति में नहीं हैं। दरअसल, सभी दल प्रत्याशियों के चयन में सीटों के समीकरण को लेकर मंथन कर रहे हैं।

आज नहीं होगा नामांकन

विधान सभा चुनाव में अब प्रत्याशियों को नामांकन के लिए सिर्फ दो दिन मिलेगा। आज अवकाश के कारण नामांकन नहीं होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी कौशल राज शर्मा की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि अब नामांकन 16 व 17 फरवरी को होगा। रविदास जयंती (16 फरवरी) पर अवकाश घोषित नहीं है लेकिन 15 फरवरी को मो. हजरत अली साहब की जयंती पर अवकाश पहले से घोषित है इसलिए इस दिन नामांकन नहीं होगा। पर्चा दाखिला की अंतिम तिथि 17 फरवरी निर्धारित है। पर्चा दाखिला के बाद 18 फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच, 21 फरवरी को नाम वापसी, सात मार्च को मतदान व दस मार्च को वोटों की गिनती होगी।

गृह राज्य मंत्री के बेटे की जमानत से किसानों में गुस्सा : राकेश टिकैत

» देश को उत्तर कोरिया और किसी को किम जोंग नहीं बनने देंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देशभर के पांच सौ किसान संगठनों के साझा मंच संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने केंद्र सरकार पर किसानों के साथ लिखित वादे न मानने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि देश उत्तर कोरिया नहीं है, यहां किसी को किम जोंग उन नहीं बनने देंगे। कानपुर में गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी की बर्खास्तगी न होने और उनके बेटे आशीष मिश्रा की जमानत होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि वह दोबारा न्यायालय जाएंगे। अपील करेंगे कि बहस रूबरू हो।

कानपुर के घंटाघर स्थित पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा माल्यार्पण कर राकेश टिकैत ने लखीमपुर आंदोलन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों को हिजाब के चक्कर में फंसाना चाहती है, लेकिन लोग हिसाब मांगें कि यूपी में बिजली हरियाणा से 12 गुना क्यों महंगी है। टिकैत ने बताया कि वह लखीमपुर खीरी जाकर पीड़ित किसानों के परिवार से मिलकर उनका दर्द साझा करेंगे। इसके बाद टिकैत ने कहा कि केन्द्र सरकार ने मुकदमे वापस लेने, एमएसपी निर्धारण के लिए कमेटी गठित करने आदि मुद्दों पर लिखित वादा किया था। इसके बाद भी कुछ नहीं हुआ। गृह राज्यमंत्री के बेटे की जमानत से किसानों में गुस्सा है। चुनाव में सत्ताधारी दल के लोग आएं तो उनसे सवाल करें कि छुट्टा पशुओं ने किसानों का क्या हाल किया है? बेरोजगारी चरम पर है। किसानों ने अपनी फसलें कम रेट पर बेची हैं। उसका हिसाब मांगा जाना चाहिए। जिन्ना, हिजाब जैसे शब्दों के मकड़जाल में न फंसें। टिकैत ने कहा कि चुनाव के पहले चरण में सरकारों को किसानों से वादाखिलाफी का नतीजा दिखने लगा है। वे सिर्फ भाजपा को वादाखिलाफी की सजा दिलाना चाहते हैं, लेकिन किसी पार्टी के पक्ष में वोट डालने की बात नहीं कर रहे। केंद्र सरकार ने 13 माह चले किसानों के आंदोलन और समझौते की अनदेखी की है।

निषाद पार्टी से टिकट कटा पर चुनाव लड़ेंगे बाहुबली विजय मिश्रा

» प्रमासपा के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव के सातवें और आखिरी चरण के लिए नामांकन जोरों पर है। इस बीच भदोही के ज्ञानपुर के बाहुबली विधायक विजय मिश्रा ने प्रगतिशील मानव समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। इसे लेकर प्रमासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद बिंद ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर इसकी घोषणा की है।

विजय मिश्रा को जेल से ही चुनाव लड़ने और नामांकन करने के लिए एमपी-एमएलए कोर्ट की अनुमति भी मिल चुकी है। दरअसल विजय मिश्रा ज्ञानपुर विधानसभा से निषाद पार्टी के विधायक हैं। सूबे में वह निषाद पार्टी से इकलौते और पहले विधायक हैं लेकिन निषाद पार्टी ने उनकी जगह ज्ञानपुर विधानसभा से विपुल दुबे को उम्मीदवार घोषित किया है। इसके बाद विजय मिश्रा के रिश्तेदार और उनके समर्थकों ने प्रगतिशील मानव समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात की।

संघ प्रमुख का फर्जी पत्र वायरल चुनाव आयोग से शिकायत

» चुनाव के समय संघ की छवि को खराब करने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। विधानसभा चुनाव के मतदान से ठीक पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत का एक फर्जी पत्र सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। आरएसएस ने इस मामले में चुनाव आयोग से शिकायत की। साथ ही देहरादून कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए एक तहरीर भी दी।

संघ के संपर्क प्रमुख राजेश सेठी के मुताबिक इस संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी सौजन्या को भी शिकायत पत्र देकर मामले में कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया। पत्र में कहा गया कि पिछले दो दिनों से सोशल मीडिया, इंटरनेट और व्हाट्सएप समूहों में मोहन भागवत का एक कूटरचित हस्ताक्षरों से युक्त फर्जी लेटर वायरल हो रहा है। इस पत्र से आरएसएस का कोई भी संबंध नहीं है। इसमें सरसंघचालक के हस्ताक्षर भी पूरी तरह से फर्जी हैं, जो एक बड़े षड्यंत्र का हिस्सा प्रतीत होता है। पत्र में कहा गया है कि संघ विशुद्ध रूप से विश्व का सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन है। इसलिए यह पत्र संघ को बदनाम करने व चुनाव में आरएसएस का नाम जोड़कर राष्ट्रीय हितों को हानि पहुंचाने की दृष्टि से तैयार किया गया प्रतीत होता है। प्रकरण को गंभीर बताते हुए आयोग से चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन में मामला दर्ज करने का अनुरोध किया गया। सेठी ने कोतवाली देहरादून को भी तहरीर दी और प्रकरण में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का अनुरोध किया।

जहां भी रहो प्रेम से रहो

संघ के संपर्क प्रमुख राजेश सेठी ने कहा कि आरएसएस के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत ने कह रखा है कि भारत की भूमि पुण्य भूमि है, जहां भी रहो प्रेम और भक्ति के साथ रहो। भारत के नागरिक बनकर रहो। मगर कुछ लोग इस प्रदेश का सौहार्द बिगाड़ना चाहते हैं, जो कि ठीक नहीं है। चुनाव के समय इस तरह के पत्र वायरल करना संघ की छवि को खराब करना है।

निठारी कांड में हाईकोर्ट ने मांगा स्पष्टीकरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। देश भर में लंबे समय तक सुर्खियों में रहे दिल दहला देने वाले निठारी कांड में हत्या व दुष्कर्म की हैवानियत के आरोपित सुरेंद्र कोली व सह अभियुक्त मनिंदर सिंह पंढेर की सजा के खिलाफ सभी अपीलों को सुनवाई के लिए तीन मार्च को पेश करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने सीबीआई को जवाबी हलफनामे के साथ पीड़िताओं की मांगी गई पोस्ट मार्टम रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। इससे पहले भी कोर्ट ने कई बार समय दिया, लेकिन हलफनामा दाखिल न होने पर नाराजगी जताई। हाई कोर्ट ने कहा कि अगली तारीख तक आदेश का पालन नहीं किया गया तो सीबीआई के संबंधित अधिकारी हाजिर होकर देरी का स्पष्टीकरण पेश करें। यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज मिश्र व न्यायमूर्ति समीर जैन की खंडपीठ ने कई केसों में सीबीआई अदालत से फांसी की सजा के खिलाफ सुरेंद्र कोली की अपीलों की सुनवाई करते हुए दिया है।

कांग्रेस ने छठें चरण के लिए स्टार प्रचारकों की सूची जारी की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस ने छठें चरण में तीन मार्च को होने वाले चुनाव के लिए अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। पार्टी महासचिव तारिक अनवर की ओर से जारी स्टार प्रचारकों की सूची में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा समेत 30 नेताओं के नाम शामिल हैं।

कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची में राहुल, प्रियंका के अलावा अजय कुमार लल्लू, आराधना मिश्रा मोना, अशोक गहलोत, कमलनाथ, हरीश रावत, चरनजीत सिंह चन्नी, भूपेश बघेल, सलमान खुर्शीद, प्रमोद तिवारी, जितेंद्र सिंह, पी.एल. पुनिया,

निर्मल खत्री, सचिन पायलट, दीपेंद्र सिंह हुड्डा, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, आचार्य प्रमोद कृष्णम, मो. अजहरुद्दीन, मो. मुकीम, इमरान प्रतापगढ़ी, वर्षा गायकवाड़, सुप्रिया श्रीनेत, जयवर्धन सिंह, बाजीराम खांडे, राजेश तिवारी, सत्य नारायण पटेल, विश्वविजय सिंह, पंखुड़ी पाठक तथा बाल कृष्ण चौहान शामिल हैं।

कौशांबी में पुरोहित को गोली मारी, भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। कौशांबी जिले में सोमवार रात अज्ञात बदमाशों ने एक पुरोहित को गोली मार दी। पुरोहित निजी अस्पताल में भर्ती है।

कौशांबी थाना क्षेत्र के सोंधियां गांव निवासी 31 वर्षीय रजनीश दुबे पुत्र राम चरन दुबे पूजा पाठ कर अपनी जीविका चलाते हैं। सोमवार को रजनीश प्रयागराज जनपद में किसी समारोह में पूजा पाठ कराने गए थे। वहां से रात में बाइक से घर लौट रहे थे। सरायअकिल थाना क्षेत्र में अभी रजनीश अपनी बाइक से पहुंचे थे। इसी दौरान सोंधिया पुल के पास उनका पीछा कर रहे तीन बदमाशों ने ओवरटेक किया और उनकी बाइक रोक पैर में गोली मार दी। गोली लगने से रजनीश गिर गए तो बदमाशों ने उनका बैग छीन लिया। इसके बाद फायरिंग करते हुए फरार हो गए।

भाजपा विधायक ने प्रदेश अध्यक्ष कौशिक को बताया गद्दार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग हो चुकी है। अब 10 मार्च को चुनावी नतीजों का इंतजार है लेकिन इस बीच भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के प्रदेश अध्यक्ष पर पार्टी के विधायक और उम्मीदवार ने गंभीर आरोप लगाए हैं।

बीजेपी विधायक संजय गुप्ता का आरोप है कि प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने उनको हराने के लिए बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार का समर्थन किया है। संजय गुप्ता जो कि अभी लक्सर से विधायक हैं उन्होंने कहा कि उत्तराखंड बीजेपी चीफ मदन कौशिक ने कुछ बीजेपी उम्मीदवारों के खिलाफ काम

बोले, चुनाव में बसपा प्रत्याशी की मदद की

किया है, ताकि उनकी हार हो जाए। मदन कौशिक ने मेरे खिलाफ बसपा उम्मीदवार का समर्थन किया। वह गद्दार हैं। मैं बीजेपी नेतृत्व से मांग करता हूं कि उनको पार्टी से निकाला जाए। बता दें कि मदन कौशिक को पिछले साल मार्च में बीजेपी ने प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। उन्होंने जिला महामंत्री से प्रदेश अध्यक्ष तक का सफर तय किया है। वह हरिद्वार से मौजूदा विधायक भी हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।